regard to these Special Economic Zones that are located in their own States for applying them. For instance, they can declare these as public utilities. This is exactly what has been done and thereby, the labour laws become, to that extent, more amenable for cost of production. The Governments of Andhra Pradesh, Maharashtra, Gujarat, Karnataka, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh have in their States Special Economic Zone policy provided with different provisions which I will send to the hon. Member and which makes sure that the labour laws are more work-oriented rather than just employers-oriented.

बी.ए.एम.डिग्री कोर्स

*271. **श्री मोती लाल वीरा** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय छात्रों को बैचलर आफॅ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.ए.एम.एस.) की डिग्री साढ़े चार साल के पाठ्यक्रम के बाद दी जाती है,जबकि विदेशी नागरिकों को डेढ़ साल बाद ही दे दी जाती है :,

(ख) यदि हां, तो यह निर्णय किस प्राधिकारी द्वारा लिया गया और इसके क्या कारण है :,

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार की इस नीति का ब्रिटिश आयुर्वेदिक काउंसिल ने भी विरोध किया है:, और

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ए. राजा) : (क) से (घ) विवरण राज्य-सभा के पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) से (घ) 1 ½ वर्षीय पाठ्यक्रम कर रहे विदेशी नागरिकों को बैचलर आफॅ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.ए.एम.एस.) प्रदान नहीं किया जा रहा है ।

ब्रिटिश सरकार अपने देश में जड़ी-बूटीय शिक्षण और चिकित्साभ्यास को विनियमित करने का प्रस्ताव रखती हैं, जिसमें अन्य जड़ी-बूटीय चिकित्सा के अलावा आयुर्वेदिक शिक्षण को भी शामिल किया जाएगा । भारत सरकार ने आयुर्वेद पर संक्षिप्त पाठ्यक्रम तैयार किया है, जिस पर उनके द्वारा, प्रस्तावित जड़ी-बूटीय चिकित्सा पाठ्यक्रम में विचार किया जाएगा ।

ब्रिटिश आयुर्वेदिक काऊंसिल इस पाठ्यक्रम का विरोध इस आधार पर कर रही है कि इस लघु-पाठ्यक्रम को , भारत के 5 ½ वर्षीय बी.ए.एम.एस. पाठ्यक्रम के बराबर माना जा रहा है ।

काउंसिल की धारण सही नहीं है । जो इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होंगे, उन्हें बी.ए.एम.एस. चिकित्सीय अर्हता प्रदान नहीं की जाएगी ।

B.A.M.S. degree course

†*271. SHRI MOTILAL VORA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Indian students are awarded degree of Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery after pursuing the course of four and half years, whereas foreign national are awarded the same after one and half year;

(b) if so, the authority that took such a decision and the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that British Ayurvedic Council has also opposed this policy of Government; and

(d) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI A. RAJA): (a) to (d) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) to (d) Bachelor of Ayurvedic Medicines and Surgery (BAMS) is not being awarded to foreign nationals undergoing one and a half years Course.

The British Government proposes to regulate herbal teaching and practice in their country, which will include Ayurvedic teaching in addition to other herbal medicines. The Government of India prepared Core Curriculum on Ayurveda, which would be considered by them in the proposed herbal madictnes Course.

The British Ayurvedic Council is opposed to this course on the ground that this Short Course is being equated with 5^{W} years of BAMS Course in India.

The assumption of the Council is not correct. No BAMS medical qualification will be awarded to those who qualify this Course.

श्री मोती लाल वीरा : माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ये जो फारेन नेशनल्स हैं जो ड़ेढ़ वर्ष का कोर्स पूरा करते हैं उन्हें आप किस प्रकार की डिग्री दे रहे हैं ? दूसरा, इसमें माननीय सभापति महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि जो केरीकुलम आयुर्वेद में

† Original notice of the question was received in Hindi.

आपने प्रारंभ किया हैं उस केरीकुलम का पालन कहां तक हो रहा है ? इसके साथ-साथ मुझे इस बात की जानकारी देने की भी कृपा करें कि आयुर्वेद सिस्टम आफॅ मेडिसिन्स के मामले में भारत सरकार के द्वारा काफी बातें कही जाती हैं लेकिन हकीकत में अगर आप देखें तो आयुर्वेद की एक प्रकार से उपेक्षा हो रही है तो इसके बारे में भी माननीय मंत्री जी बताने की कृपा करें कि किस प्रकार आयुर्वेद को हम आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहें है ?

SHRI A. RAJA: Sir, as far as the question of course that is being conducted abroad for one-and-a-half-year, it is not acceptable to us because it is not according to our syllabus, curriculum and tenure of the course. We are very clear that for an Ayurvedic degree in India at least 1600 hours should be there. But the Government of UK has sent us a proposal for 1100 hours with a curriculum. It has been sent to our Ministry through the Indian High Commission. We have categorically stated that such a course cannot be accepted because it is not admissible according to our Council's rules. If they are ready to start our course, we can send them our curriculum which has been accepted by our Council.

SHRI MOTILAL VORA: Sir, in the written reply it has been stated that the Bachelor of Ayurvedic Medicines and Surgery is not being awarded to foreign nationals undergoing one-and-a-half years course. Then what degree are you going to award to those foreign nationals who are going in for one and a half years course in India?

SHRI A. RAJA: Unless they have the five and a half years degree, there is no question of... *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN: Next question.

प्रसार-भारती में तकनीशियनों की नियुक्ति

*272. **डा. कुमकुम राय**: क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रसार-भारती तकनीशियनों की नियुक्ति में आई.टी. आई. के प्रमाण पत्र धारकों को ही मान्यता देती है, आई.टी.सी. प्रमाण-पत्र धारकों को नहीं :,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं:, और

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार आई.टी.आई. से भी तकनीशियनों की नियुक्ति करेगी ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री मती सुषमा स्वराज) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।